श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ समता विभूति आचार्य श्री नानेश के पट्टधर एवं हम सबके श्रद्धानायक आयार्य श्री रामेश के नेतृत्व में संघ उन्नयन के उत्तम विचारों के साथ निरन्तर गतिशील है। आचार्य भगवन् की हमारे संघ पर असीम अनुकम्पा है। उनका चिन्तन है कि संघ के श्रावक–श्राविका, युवक–युवती, बालक–बालिकाएँ अपने जीवन को धर्म–ध्यान में आगे बढायें। इस हेतु उन्होंने संघ को कई आयाम दिये जिनसे आप सभी परिचित है।

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ द्वारा समाज में ज्ञान वृद्धि एवं सुसंस्कारों के विकास हेतु श्री जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षाओ भाग 1 से 12 तक का आयोजन किया जा रहा है, जिससे संघ में जागृति आयी है। पिछले कई वर्षो में हजारों भाई–बहिनों, युवक–युवतीयों, बालक–बालिकाओं ने परीक्षा में भाग लेकर ज्ञान की अभिवृद्धि की है।

जैन संस्कार पाठ्यक्रम के आवेदन–पत्र एवम् शिविर स्थलों व अपने केन्द्रों पर अधिकाधिक भरवाये जायें ताकि वे आगामी परीक्षाओं में भाग ले सकें। गत वर्ष की भांति इस वर्ष हमने जैन संस्कार पाठ्यक्रम की समय–सारिणी पूर्व में ही निर्धारित कर दी है। जिसके अनुसार एक ही दिन दि. 27 सितम्बर 2020 (रविवार) को सम्पूर्ण भागों की परीक्षाएँ सम्पन्न होंगी। इसकी जानकारी से आप सभी परीक्षार्थियों को अवश्य अवगत कराने की कृपा करावें।

1. परीक्षार्थी क्रमशः 2 भाग की परीक्षा एक साथ दे सकेंगे। सभी परीक्षा क्रमवार ही देनी होगी।
2. सभी उत्तीर्ण परिक्षार्थियों को प्रमाण–पत्र तथा प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को विशेष पुरस्कार प्रदान किये जावेंगे।
3. जिस परीक्षार्थी ने गतवर्ष जिस भाग की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है उन्हें आगे के भागों की परीक्षा देनी होगी।
4. भाग 1 से 4 की परीक्षा मौखिक एवं लिखित दोनों प्रकार से ली जायेगी।
5. जैन संस्कार पाठ्यक्रम लिखित परीक्षा में भाग 1 से 12 तक सभी उत्तीर्ण परिक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा।
6. आवेदन पत्रो को पुर्ण रूप से भर कर केन्द्रिय कार्यालय बीकनेर भिजवाएँ।

सभी से निवेदन है कि उत्तर पुस्तिकाओं के साथ परीक्षा प्रभारी अपना सम्पुर्ण पता, मोबाईल व ई–मेल अवश्य लिखे, ताकि उन्हे ही प्रमाण–पत्र व पुरस्कार भेजे जा सके।

जिन केन्द्रों में यह परीक्षाएँ हो रही है उनसे निवेदन हे कि वे अपनी उत्तर पुस्तिकाएँ परीक्षा समाप्त होने के 3 दिन के भीतर परीक्षा केन्द्र से रवाना कर दें ताकि उत्तर पुस्तिकाओं का उचित मूल्यांकन सही समय व प्रामाणिकता के साथ किया जा सके।

–नीतु लोढा, संयोजिका